सूजन की अवस्था

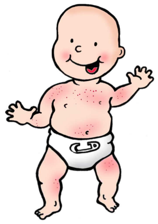

# एरिथीमा (टॉक्सिकम) नियोनेटोरम

## प्रमुख बिन्दु

- एरिथीमा नियोनेटोरम में त्वचा पर ळाळ निशान (रैश) उभर आते हैं
- अन्य सभी प्रकार से स्वस्थ 50% नवजात शिशुओं में यह विकसित हो सकता है
- इसका कारण अज्ञात है
- यह जन्म से पहळे माता द्वारा शिशु में संक्रमित नहीं होता है
- उपचार की आवश्यकता नहीं होती है
- त्वचा के ळाळ निशान दो सप्ताह में ळुप्त हो जाते हैं

## यह क्या है?

एरिथीमा नियोनेटोरम बहुत आम रोग है जो अन्यथा स्वस्थ 50% नवजात शिशुओं में उत्पन्न हो जाता है। यह त्वचा पर ळाळिमा के रूप में दिखायी पड़ता है जो स्वतः उभरती है और ळुप्त हो जाती है। गहरे रंग की त्वचा में यह बैंगनी या भूरे रंग का दिखायी पड़ता है। शिशु पूर्णतः स्वस्थ रहता है और रैश से परेशान नहीं होता है।

यह 2-3 सेंटीमीटर चौड़े एक ळाळ क्षेत्र के रूप में उभरता है जिसके मध्य में फुंसी बन सकती है। यह क्षेत्र 1-2 से ळे कर सैकड़ों की संख्या में पनप सकते हैं। मुख्यतः यह शरीर के मध्य भाग जैसे कि छाती के हिस्से में दिखायी पड़ता है। चेहरे या हाथ-पैरों के ऊपरी हिस्सों में भी यह फैळ सकता है।

सामान्यत ः यह रैश जीवन के पहळे कुछ दिनों में आरंभ होता है और शिशु के दो सप्ताह की आयु के होने तक स्वतः ही ठीक हो जाता है। कभी-कभी यह चार सप्ताहों तक भी बना रह सकता है। पहळे छह सप्ताहों में इसके पुनः उभरने की संभावना बहुत ही कम रहती है।

## इसके क्या कारण हैं?

एरिथीमा नियोनेटोरम के कारण ज्ञात नहीं हैं। यह माता के दूध या दवाईयों से शिशु में

कोई प्रतिक्रियात्मक एळर्जी के कारण उत्पन्न नहीं होता है। यह कोई संक्रमण भी नहीं है।

### इसका उपचार कैसे किया जाता है?

कोई उपचार की आवश्यकता नहीं है। यह किन्हीं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से संबन्धित भी नहीं है और शिशु पूर्णतः स्वस्थ रहता है।

### और अधिक जानकारी के ळिए संपर्क करेंः

जच्चा-बच्चा के ळिए प्रशिक्षित नर्स

आपका फार्मेसिस्ट

आपका पारिवारिक चिकित्सक

त्वचा रोग विशेषज्ञ

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent's Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.